रजिस्ट्री सं० डी-222

REGISTERED No. D-222

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 48] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 29, 1969 (अग्रहायण 8, 1891)

No. 48] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 29, 1969 (AGRAHAYANA 8, 1891)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

नोटिस

(NOTICE)

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 23 अक्तूबर 1969 तक प्रकाशित किये गये हैं :

The undermentioned *Gazettes of India Extraordinary* were published up to the 23rd October 1969 :

अंक (Issue No.)	संख्या और तिथि (No. and Date)	द्वारा जारी किया गया (Issued by)	विषय (Subject)

—NIL—

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी। मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुँच जाने चाहिएं।

Copies of the *Gazettes Extraordinary* mentioned above will be supplied on Indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

विषय-सूची (CONTENTS)

	पृष्ठ
भाग I—खंड 1—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं ..	821
भाग I—खंड 2—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1339
भाग I—खंड 3—रक्षा मन्त्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	—
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	1139
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों सम्बन्धी प्रवर समितियों की रिपोर्ट	—
भाग II—खंड 3—उप-खंड (1)—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	563
भाग II—खंड 3—उप-खंड (2)—(रक्षा मन्त्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मन्त्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं ..	581
भाग II—खंड 4—रक्षा मन्त्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	59
भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, संघ लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के संलग्न तथा अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	1197
भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें	431
भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं ..	117
भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं	701
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें ..	229
पूरक संख्या 48—	
22 नवम्बर 1969 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बन्धी साप्ताहिक रिपोर्ट	2027
1 नवम्बर 1969 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म तथा बड़ी बिमारियों से हुई मृत्यु से सम्बन्धित आंकड़	2041

	Page
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	821
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	1339
PART I—SECTION 3—Notifications relating to Non-statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave, etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	1139
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws, etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	563
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	581
PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	59
PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	1197
PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta ..	431
PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	117
PART III—SECTION 4—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	701
PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies ..	229
SUPPLEMENT No. 48—	
Weekly Epidemiological Reports for week-ending 22nd November 1969 ..	2027
Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week-ending 1st November 1969 ..	2041

भाग I—खण्ड 1
(PART I—SECTION 1)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली दिनांक 18 नवम्बर, 1969

सं० 63-प्रेज/69—राष्ट्रपति निम्नांकित व्यक्ति को उनकी अति उत्कृष्ट वीरता के लिए अशोक चक्र प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

कप्तान जस राम सिंह (ई० सी० 53763),
राजपूत

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि-30 अक्तूबर 1968)

30/31 अक्तूबर 1968 की रात्रि को यह सूचना मिलने पर कि हल्की मशीन-गनों/राईफलों और स्टेन-गनों से लैस लगभग 50 उपद्रवी मीजो पहाड़ियों के एक गांव की ओर गए हैं, कप्तान जस राम सिंह, जो कि उस क्षेत्र में गश्त पर थे, दो प्लाटूनों के साथ तुरन्त ही उस गांव की ओर चल पड़े। प्रातः के लगभग 4-30 बजे जब वे गांव पहुंचे तो उपद्रवियों ने एक ऊंचे ठिकाने से गश्ती-दल पर दाएं और बाएं ओर से एक साथ गोलाबारी शुरू कर दी। उन्होंने जल्दी से स्थिति को भांपा और स्वयं आक्रमण का नेतृत्व किया तथा उपद्रवियों के ठिकाने को रौंद डाला। इस मुठभेड़ में कप्तान जस राम सिंह ने अति उत्कृष्ट वीरता तथा नेतृत्व का परिचय दिया जिसके फलस्वरूप उपद्रवी बिल्कुल घबरा गए और 2 मृतकों, 6 घायलों तथा बहुत से गोला-बारूद को छोड़कर अपने ठिकानों से भाग खड़े हुए। अन्य तीन उपद्रवियों ने भी उसी दिन आत्मसमर्पण किया।

सं० 64-प्रेज/69—राष्ट्रपति निम्नांकित व्यक्तियों को उनकी उत्कृष्ट वीरता के लिए कीर्ति चक्र प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. कप्तान दिनेश प्रसाद माथुर (ई० सी० 55123),
गार्ड।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि-11 जुलाई, 1968)

10 जुलाई 1968 को यह सूचना मिलने पर कि हथियारों से लैस उपद्रवियों का एक गिरोह मीजो पहाड़ियों के एक गांव में है, कप्तान दिनेश प्रसाद माथुर को दो प्लाटूनों के एक दल के साथ उक्त सूचना की छानबीन करने के लिए भेजा गया। रात भर बहुत ही खराब मौसम में चलने के बाद वे दूसरी सुबह उस गांव पहुंचे, तथा खोज करते समय उपद्रवियों ने उनके दल पर गोलाबारी कर दी। उन्होंने फौरन एक प्लाटून को बांईं तरफ से बढ़ने का आदेश दिया और स्वयं एक दल के साथ आगे से आक्रमण किया तथा तीन उपद्रवियों को मार डाला। हालांकि उपद्रवियों ने बार-बार गोलाबारी की फिर भी उन्होंने अपने जवानों को संगठित किया और उपद्रवियों की स्थिति पर धावा बोला जिससे उपद्रवी घबरा गए और बहुत से हथियार, गोला बारूद तथा सामान पीछे छोड़कर भाग खड़े हुए।

इस कार्यवाही में कप्तान दिनेश प्रसाद माथुर ने उत्कृष्ट वीरता तथा नेतृत्व का परिचय दिया।

2 जे० सी०-17046 सूबेदार ध्यान सिंह,
सिख रजिमेंट।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि-3 सितम्बर 1968)

3 सितम्बर 1968 को सूबेदार ध्यान सिंह को एक प्लाटून की कमान सौंप कर विशेष काम पर मीजो पहाड़ियों में एक ऐसे ठिकाने पर छापा मारने के लिए भेजा गया जहां उपद्रवियों के छिपे होने का सन्देह था। रास्ते में दूसरे क्षेत्र में उपद्रवियों की मौजूदगी की सूचना मिलने पर वह सड़क से हटकर एक दूसरे कठिन रास्ते से एक क्षेत्र की तरफ बढ़े तथा पूरी खोज के बाद 5 सितम्बर 1968 को उनको कुछ हथियार उपलब्ध हुए। उन्होंने अपने मूल लक्ष्य की तरफ ऊंचे-नीचे रास्तों पर बढ़ना जारी रखा परन्तु वहां उन्हें कुछ भी न मिला। 11 सितम्बर 1968 को अचानक उसके दल की उपद्रवियों से सामना हो गया। जब उनके दल ने उपद्रवियों का पीछा किया तो उन्होंने बच निकलने के लिए पांच 303 की राइफलें छोड़ दीं। इसके पश्चात् सूबेदार ध्यान सिंह को 10-12 उपद्रवियों के एक अन्य दल के एक गांव में मौजूद होने का पता चला। यद्यपि उनका राशन समाप्त हो गया था, फिर भी उन्होंने उसका इन्तजार किए बिना स्थिति से फायदा उठाने का निश्चय किया। 13/14 सितम्बर 1968 की रात्रि को सड़क से हटकर दूसरे रास्ते से चलकर वे उपद्रवियों के छिपने के स्थान पर पहुंचे और अचानक आक्रमण करके दो उपद्रवियों को मार डाला। इस शीघ्र कार्यवाही से घबरा कर, दूसरे उपद्रवी अपनी राईफलें पीछे छोड़कर भाग खड़े हुए। इस कार्यवाही में .303 की दस रायफलें बरामद हुईं। दुबारा 1 अक्तूबर 1968 को उन्होंने एक कालम का नेतृत्व किया और .303 की एक राईफल बरामद करने में सफल हुए। इसके बाद उन्होंने एक छिपे हुए स्थान से काफी मात्रा में हथियार तथा गोला-बारूद बरामद किया।

पूरी कार्यवाही में सूबेदार ध्यान सिंह ने उत्कृष्ट वीरता तथा नेतृत्व का परिचय दिया।

3. 16525 नायक टेक बहादुर छेत्री,
आसाम राइफल्स। **मरणोपरान्त**

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि-29 सितम्बर 1968)

29 सितम्बर 1968 को नायक टेक बहादुर छेत्री को मीजो पहाड़ियों में एक गांव के बाहरी क्षेत्र में खोज करने का कार्य सौंपा गया। गांव पहुंचने पर उन्होंने लगभग 30 गज की दूरी पर हथियारों से लैस 5 उपद्रवियों को देखा। उन्होंने महसूस किया कि यदि उन्होंने सेक्शन के आने और उसकी तैनाती के इंतजार में जरा-सा भी वक्त गंवाया तो न केवल उपद्रवियों को भागने का मौका मिल जाएगा, बल्कि वे सचेत भी हो जाएंगे। इसलिए उन्होंने अपनी स्टेनगन से उन पर हमला किया और उनमें से दो को घायल कर दिया। दुर्भाग्यवश दो-एक गोली चलने के बाद उनकी स्टेनगन रुक गई। क्योंकि इस समय तक वे उपद्रवियों के बिल्कुल नजदीक पहुंच चुके थे, वे एक राइफल संभाले हुए उपद्रवी पर झपटे। इस हाथापाई में नायक छेत्री ने उस उपद्रवी से राईफल छीन ली, परन्तु इससे पहले कि वे वे उसे इस्तेमाल कर पाते, एक उपद्रवी ने स्टेनगन से उनकी छाती पर गोली दाग दी जिससे उसी जगह उनकी मृत्यु हो गई।

इस कार्यवाही में नायक टेक बहादुर छेत्री ने उत्कृष्ट वीरता का परिचय दिया।

सं० 65-प्रेज/69—राष्ट्रपति निम्नांकित व्यक्तियों को वीरता के लिए शौर्य चक्र प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. श्री शिवदयाल चौबे,
ड्राइवर, मध्य प्रदेश राजकीय राज्य परिवहन निगम, सागर।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—7 जनवरी 1968)

7 जनवरी 1968 की रात्रि को श्री शिवदयाल चौबे मध्य प्रदेश राजकीय राज्य परिवहन निगम की बस को टीकमगढ़ से सागर ला रहे थे। बस में दूसरे मुसाफिरों के अलावा सुनार तथा व्यापारी भी थे जो कि गांव पैंठ से सागर को लौट रहे थे और उनके पास सोने तथा चांदी के जेवरात थे। रास्ते में 6 डाकुओं के एक दल ने बस रोकने के लिए गोली चलाई। श्री शिवदयाल चौबे की गर्दन में बाईं तरफ, छाती तथा कन्धे पर गोलियां लगीं। जरा भी डरे बिना उन्होंने फौरन मुसाफिरों को गाड़ी के फर्श पर सपाट लेटने को कहा, तथा जब डाकू अपनी बन्दूकों को दुबारा भरने में व्यस्त थे, तब वे गाड़ी को भगा कर वहां से करीब 7 मील की दूरी पर बांदरी पुलिस स्टेशन ले गए और उसके बाद बेहोश हो गए। उनको फौरन अस्पताल पहुंचाया गया जहां वे स्वस्थ हो गए। उनकी वीरता के फलस्वरूप 47 मुसाफिरों की जान और माल की रक्षा हो सकी।

2. 6442364 लांस नायक (ड्राइवर) प्रेम राम,
आर्मी मैडीकल कोर।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—5 अगस्त 1968)

5 अगस्त 1968 को लांस नायक प्रेम राम अपनी वार्षिक छुट्टी बिता कर, यू० पी० रोडवेज की एक बस से लौट रहे थे। गाड़ी में कल-पुर्जों की खराबी के कारण ड्राइवर गाड़ी को नहीं संभाल पाया और गाड़ी 20 मुसाफिरों सहित 500 फुट नीचे खड्ड में जा गिरी जिसके फलस्वरूप 8 आदमी मर गए, तथा लांस नायक प्रेम राम सहित दूसरे तमाम मुसाफिर घायल हो गए। अपने कष्ट की परवाह किए बिना उन्होंने 12 घायलों को खड्ड से निकाला, और उन्हें पास की डाक्टरी सहायता चौकी पर पहुंचाने का इंतजाम होने तक, कामचलाऊ मरहम-पट्टी से उनकी प्राथमिक चिकित्सा की।

इस कार्यवाही में लांस नायक प्रेम राम ने वीरता तथा पहल का परिचय दिया।

3. 64188 राईफलमैन जगत बहादुर छेत्री,
आसाम राईफल्स।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—31 अक्तूबर 1968)

31 अक्तूबर 1968 को राईफलमैन जगत बहादुर छेत्री उस गश्ती दस्ते में थे जिसका नेतृत्व कप्तान जस राम सिंह मीजो पहाड़ियों में कर रहे थे। जब गश्ती दल एक गांव की ओर जा रहा था तो हथियारों से लैस लगभग 50 उपद्रवियों ने एक ऊंची जगह से गश्ती दल पर दाईं तथा बाईं दोनों ओर से हल्की मशीन-गनों और छोटे हथियारों से गोलाबारी की। जब गश्ती दल के कमांडर ने उपद्रवियों की स्थितियों पर आक्रमण करने का आदेश दिया तो राईफलमैन जगत बहादुर छेत्री प्रहार-पंक्ति से आगे हल्की मशीन-गन की तरफ बढ़े जो कि बायें तरह से फायर कर रही थी तथा हल्की मशीन-गन को चलाने वाले उपद्रवी को मार गिराया, मशीन-गन को अपने कब्जे में किया और इस प्रकार अपनी प्रहार-पंक्ति को निकट आने दिया। इस मुठभेड़ में उन्होंने राईफलों सहित 2 घायल उपद्रवियों को बंदी बनाया तथा काफी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद भी अपने कब्जे में किया।

इस संक्रिया में राईफलमैन जगत बहादुर छेत्री ने वीरता तथा दृढ़-निश्चय का परिचय दिया।

4. 64245 राईफलमैन भीम प्रसाद जैशी,
आसाम राईफल्स।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—31 अक्तूबर 1968)

31 अक्तूबर 1968 को राईफलमैन भीम प्रसाद जैशी उस गश्ती दल में थे जिसका नेतृत्व कप्तान जस राम सिंह मीजो पहाड़ियों में कर रहे थे। जब गश्ती दल एक गांव की ओर जा रहा था तो हथियारों से लैस लगभग 50 उपद्रवियों ने एक ऊंचे स्थान से दाईं तथा बाईं दोनों ओर से गश्ती दल पर हल्की मशीन-गनों और छोटे हथियारों से गोलाबारी की। आक्रमण के लिए आदेश देते हुए गश्ती दल के कमांडर ने राईफलमैन भीम प्रसाद जैशी को उपद्रवियों की दाईं तरफ की हल्की मशीन-गन को शान्त करने को कहा। राईफलमैन जैशी उपद्रवी की स्थिति की ओर बढ़े और हल्की मशीन-गन चलाने वाले उपद्रवी को मार डाला तथा मशीन-गन को अपने कब्जे में कर लिया। उन्होंने दो अन्य उपद्रवियों को भी घायल किया। इस मुठभेड़ में काफी मात्रा में हथियार तथा गोला-बारूद हाथ आया।

इस कार्यवाही में राईफलमन भीम प्रसाद जैशी ने वीरता तथा दृढ़-निश्चय का परिचय दिया।

सं० 66-प्रेज/69—राष्ट्रपति निम्नांकित व्यक्तियों को साहस के लिये 'सेना मेडल' "आर्मी मैडल" प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं:—

1. कप्तान जाय जार्ज (आई० सी० 18822),
गोरखा राईफल्स

अगस्त 1966 में कप्तान जाय जार्ज ने मीजो जिले में आसाम राईफल्स की एक बटालियन में सेवा आरम्भ की । तब से लेकर उन्होंने उपद्रवियों के विरुद्ध अनेक कार्रवाइयों का नेतृत्व किया । 12 अवसरों पर उन्होंने बहुत से हथियार तथा गोलाबारूद अपने कब्जे में करने के अलावा ऐसे दस्तावेज भी बरामद किये जिनमें बहुत महत्व की जानकारी थी । इन मुठभेड़ों के दौरान बहुत से उपद्रवी हताहत भी हुए ।

कप्तान जाय जार्ज ने सदैव साहस, नेतृत्व तथा उच्च-कोटि की कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया ।

2. कप्तान राम शीर्ष उपाध्याय (ई० सी०-58390), आर्टिलरी ।

21 अक्तूबर, 1968 को सिक्किम के एक क्षेत्र में एक गन स्थिति के समीप विस्फोट हुआ । जब कप्तान राम शीर्ष उपाध्याय विस्फोट के कारण का पता लगाने के लिये विस्फोट की जगह गए तो उन्होंने सुरंग-क्षेत्र के अन्दर एक सिपाही को घायल पड़ा देखा जिसकी बांई टांग उड़ गई थी । अच्छी तरह जानते हुए भी कि सुरंगें वर्षा तथा बर्फ के कारण खिसक गई हैं, कप्तान उपाध्याय ने अपने साथियों को अपने पीछे आने का आदेश दिया तथा सुरंग-क्षेत्र में करीब 20 गज तक चलने के बाद वे घायल सिपाही को सुरंग-क्षेत्र से निकालने में सफल हुए ।

इस कार्यवाही में कप्तान राम शीर्ष उपाध्याय ने साहस तथा पहल का परिचय दिया ।

3. कप्तान डी० बी० राय,
आसाम राईफल्स

28 फरवरी, 1966 को मीजो राष्ट्रीय मोर्चे के सदस्यों ने आसाम राईफल्स, सीमा सुरक्षा दल तथा राज्य पुलिस की बाह्य चौकियों पर अचानक आक्रमण कर दिया तथा ऐंजल नगर को जाने वाली तमाम सड़कों को बन्द कर दिया । सिविल अधिकारियों के सभी उपायों के बावजूद, 2 मार्च, 1966 को दोपहर के बाद स्थिति बहुत तनावपूर्ण हो गई । लगभग 1000 सिविल अधिकारियों, भूतपूर्व सैनिकों, व्यापारियों और उनके परिवारों ने 6 दिन से भी अधिक आसाम राईफल्स की चौहद्दी में शरण ली । उपद्रवियों ने आसाम राईफल्स को उनके गैरिजन में घर दबोचने के लिये बेहतर स्थितियों से गोली बारी आरम्भ कर दी और उस क्षेत्र में कुमुक पहुंचाना कठिन कर दिया । कप्तान डी० बी० राय ने आसाम राईफल्स की एक बटालियन के ऐडजुटेंट की हैसियत से अपनी जिम्मेदारियों को साहस, दृढ़ निश्चय तथा धैर्य के साथ निभाया । उपद्रवियों की भारी गोलाबारी के बावजूद वे अपने जवानों का नेतृत्व करके गैरिजन में रहने वाले बहुत से लोगों के लिये बाहर से पानी लाये । 4 मार्च, 1966 को उन्होंने अपने को भारी जोखिम में डालकर एक अनुरक्षी दल का साहस के साथ नेतृत्व किया और पुलिस के हथियारों, गोला बारूद के भंडार, दस्तावेज तथा बेतार सैटों को सुरक्षा के लिये पुलिस थाने से गैरिजन क्षेत्र में लाये । 5 मार्च, 1966 को जब उपद्रवियों ने लगातार फायर करके बहुत ज्यादा दबाव डाला तो कप्तान राय उस प्लाटून का नेतृत्व करने के लिये अपने आप आगे आए जिसे खजाने तथा उप आयुक्त के दफ्तर की सुरक्षा के लिये तैनात किया गया था । बाद में, मीजो राष्ट्रीय मोर्चे के बड़े-बड़े नेताओं और स्वयंसेवकों को हिरासत में लेने के लिये ऐंजल नगर के अन्दर और चारों तरफ छापा मारने में भी मुख्य तौर पर उन्हीं का हाथ था ।

पूरी कार्रवाई में कप्तान डी० बी० राय ने उच्च कोटि के साहस, नेतृत्व और कर्त्तव्यपरायणता का परिचय दिया ।

4. 3950870 लांस हवलदार भोला दत्त राजपूत, डोगरा

9 जनवरी, 1969 को लांस हवलदार भोला दत्त राजपूत जम्मू तथा काश्मीर क्षेत्र में एक चौकी की खड़ी गश्त का नेतृत्व कर रहे थे । उनके कम्पनी कमांडर ने उन्हें सूचित किया कि उनकी स्थिति से लगभग 500 गज की दूरी पर कुछ सन्देहास्पद हरकत देखी गई है । उन्होंने अपने गश्ती दल को आवश्यकतानुसार तैनात किया और खोज के लिये उस क्षेत्र की ओर चल पड़े । जब लांस हवलदार भोला दत्त राजपूत एक टूटे हुये मकान के पास पहुंचे तो उन्होंने देखा कि एक पाकिस्तानी सिपाही उन पर गोली चलाने की तैयारी कर रहा है । वे अपने शत्रु पर टूट पड़े और हाथापाई के दौरान उनका दायां हाथ गोली लगने से जख्मी हो गया । घायल होने के बावजूद भी उन्होंने पाकिस्तानी सिपाही को दबोच लिया तथा उसकी राईफल छीन ली । पाकिस्तानी सिपाही का चिल्लाना सुनकर पाकिस्तान की हल्की मशीन-गन ने फायर शुरु कर दिया किन्तु लांस हवलदार भोला दत्त राजपूत ने निडर होकर पाकिस्तानी सिपाही पर जो भाग निकलने की कोशिश कर रहा था, फायर किया तथा उसे मार डाला ।

इस मुठभेड़ में लांस हवलदार भोला दत्त राजपूत ने साहस तथा दृढ़-निश्चय का परिचय दिया ।

5. 3343448 लांस हवलदार बूटा सिंह, सिख

11 सितम्बर, 1968 को लांस हवलदार बूटा सिंह एक प्लाटून के अग्रिम सेक्शन में कमांडर थे जो मिज़ो पहाड़ियों के क्षेत्र में उपद्रवियों के विरुद्ध कार्रवाई कर रही थी । प्लाटून ऐसे इलाके में से गुजर रही थी जिसमें घने कुहरे के कारण कम दिखाई देता था । इतने में उनका सामना अचानक सशस्त्र उपद्रवियों की एक टोली से हुआ जो उन्हीं की तरफ आ रही थी । इलाका ऊबड़ खाबड़ तथा रास्ता तंग होने के बावजूद भी उन्होंने सेक्शन को बहुत अच्छी तरह सम्भाला और अपने जवानों को भागते हुए उपद्रवियों का पीछा करने की प्रेरणा दी । अपनी जान की परवाह किये बिना उन्होंने तेजी से दुश्मन का पीछा किया और उनसे 5 राईफलें छीन ली ।

इस कार्रवाई में लांस हवलदार बूटा सिंह ने साहस और दृढ़ निश्चय का परिचय दिया ।

6. 9406846 राईफलमैन कबीरमान राय, गोरखा राईफल्स

12 अक्तूबर, 1968 को राईफलमैन कबीरमान राय जम्मू तथा काश्मीर में शियोखोरियामला रास्ते पर गश्ती ड्यूटी पर थे । दोपहर के लगभग 12.20 बजे जब गश्ती दल शियोक नदी को पार कर रहा था, तब उसका एक अ-राजाविष्ट अधिकारी फिसलकर अपने हथियारों और उपस्कर सहित नदी में गिर गया और तेज धारा में बह गया । राईफलमैन कबीरमान राय जो कि नदी पार

करने का रस्सा पकड़े हुए थे, किनारे-किनारे दौड़े तथा नदी में कूद कर उसे पकड़ लिया और उसे तब तक पकड़े रखा जब तक कि मदद न आ गई और उन दोनों को बचा न लिया गया ।

इस कार्यवाही में राईफलमैन कबीरमान राय ने उदाहरणीय साहस तथा पहल का परिचय दिया ।

नागेन्द्र सिंह, राष्ट्रपति के सचिव

योजना आयोग

संकल्प

जनजाति अनुसंधान संस्थानों के लिये अध्ययन दल

नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1969

सं० यो० आ० सं० क०/31(1)69—योजना आयोग के इसी संख्या के संकल्प दिनांक 18 अक्तूबर, 1969 के सिलसिले में डा० एस० सी० सिन्हा, उपनिदेशक, भारतीय मानव विज्ञान-सर्वेक्षण को जनजाति अनुसन्धान संस्थान अध्ययन दल के सदस्य के रूप में नियुक्त किया जाता है ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक प्रति भारत के राजपत्र में प्रकाशित की जाए और सभी संबंधितों को भेजी जाए ।

भैरव दत्त पांडे, सचिव
योजना आयोग ।

वित्त मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 13 नवम्बर 1969

सं० एफ० 3 (33) एन० एस०/69—राष्ट्रपति ने भारत सरकार, वित्त मन्त्रालय (अर्थ विभाग) की 19 दिसम्बर 1958 की अधिसूचना संख्या एफ० 3(40)-एन० एस०/58 में प्रकाशित डाकघर बचत बैंक (बढ़ने वाली) वाली सावधिक जमा नियमावली, 1959 में और संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाए हैं अर्थात् :—

(1) इन नियमों को डाकघर बचत बैंक (बढ़ने वाली सावधिक जमा) द्वितीय संशोधन नियमावली 1969 कहा जाए ।

(2) ये नियम पहली मार्च, 1968 से लागू माने जाएंगे।

2. डाकघर बचत बैंक (बढ़ने वाली सावधिक जमा) नियमावली, 1959 के नियम 8-क के उप-नियम (4) में दिए गए इन शब्दों "परन्तु उक्त तारीख के बाद पकने वाले" **के स्थान पर** ये **शब्द, अंक और अक्षर रखे जाएंगे—"परन्तु 22 फरवरी 1969** के बाद पकने वाले"

बी० एस० राजगोपालन, अनुसचिव

औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मन्त्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

संकल्प

नई दिल्ली, दिनांक 20 नवम्बर, 1969

सं० 47(2)/69-एस० ई० आई० (बी०)—औद्योगिक विकास, आन्तरिक व्यापार तथा समवाय-कार्य मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के वातानुकूलन तथा प्रशीतन उद्योग की नामिका का पुनर्गठन करने के बारे में संकल्प संख्या 47(2)/69-एल० ई० आई० (बी०) दिनांक 17 अप्रैल, 1969 जो संकल्प संख्या 47(2) 69-एल० ई० आई० (बी०) दिनांक 23 जून, 1969 तथा सं० 47(2) /69-एल० ई० आई० (बी०) दिनांक 20 सितम्बर, 1969 के द्वारा संशोधित किया गया है उसकी नामिका में तत्काल से निम्नलिखित और आगे परिवर्तन किया गया है ।

(1) संकल्प के क्रम सं० 17 की प्रविष्टि में संघ के तत्कालीन अध्यक्ष, श्री वी० पी० पुंज **के स्थान पर** "अध्यक्ष, अखिल भारतीय वातानुकूलन तथा प्रशीतन संघ (श्री राम डी० मलानी द्वारा मे० बलू स्टार लि०, कस्तूरी बिल्डिंग, जमशेद जी टाटा रोड, बम्बई-1 पद के वर्तमान धारक) **पढ़ा जाए** ।

(2) संकल्प के क्रम सं० 12 में दिए गए नाम "श्री ए० हंटिंगडन, निदेशक मे० यार्क इण्डिया लि० मथुरा रोड फरीदाबाद (हरियाणा)" **के स्थान पर** "श्री वी० पी० पुंज, पुंज हाउस, एम-13, कनाट सर्कस, नई दिल्ली," **पढ़ा जाए** ।

आदेश

आदेश दिया गया कि संकल्प की एक-एक प्रति सभी संबंधित व्यक्तियों को भेजी जाए तथा सर्वसाधारण की जानकारी के लिए इसे भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

डी० आर० सुन्दरम्, संयुक्त सचिव

सिंचाई व बिजली मन्त्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 अक्तूबर 1969

इस मन्त्रालय की दिनांक 11 दिसम्बर, 1967 की समसंख्यक अधिसूचना का आंशिक संशोधन करते हुए, यह निर्णय किया गया है कि सलाहकार बोर्ड, व्यास परियोजना को तत्काल ही निम्नलिखित रूप में पुनर्गठित किया जाए —

1.	डा० ए० एन० खोसला	अध्यक्ष
2.	अध्यक्ष, केन्द्रीय जल तथा विद्युत आयोग	सदस्य
3.	श्री एम० आर० चोपड़ा उपकुलपति, रुड़की विश्वविद्यालय	सदस्य
4.	श्री एन० जी० के० मूर्ति अध्यक्ष, भाखड़ा प्रबन्धक बोर्ड	सदस्य
5.	श्री पी० एस० भटनागर	सदस्य
6.	श्री के० एल० विज	सदस्य
7.	श्री आर० एस० गिल, अध्यक्ष, पंजाब राज्य बिजली बोर्ड	सदस्य
8.	श्री यादव मोहन प्रशासक, राजस्थान नहर परियोजना	सदस्य
9.	सदस्य (जल-विद्युत), केन्द्रीय जल तथा विद्युत आयोग	सदस्य

10. श्री एफ० ए० निकेल . सदस्य

11. श्री जे० बी० कुक . . सदस्य

12. सिंधु जल आयुक्त एवं भारत सरकार के पदेन संयुक्त सचिव . सदस्य

13. श्री एम० एस० बालसुन्दरम, महानिदेशक, भारतीय भू-सर्वेक्षण विभाग . सदस्य

14. श्री पी० एम० माने . सदस्य
भूतपूर्व सदस्य, केन्द्रीय जल तथा विद्युत आयोग ।

ओ० पी० चड्ढा, उप-सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1969

संकल्प

सं० 7/7/61-जी० बी०/एफ० बी० पी०—फरक्का बराज नियन्त्रण बोर्ड की तकनीकी सलाहकार समिति के गठन से संबंधित सिंचाई व बिजली मन्त्रालय के संकल्प संख्या एफ० 7/7/61-जी० बी०, दिनांक 25 अक्तूबर, 1967 के अनुच्छेद 1 में क्रम संख्या 8 के पश्चात निम्नलिखित शब्द जोड़ दिए जाएं:—

"(9) पी० एम० माने (सेवा-निवृत्त सदस्य, केन्द्रीय जल तथा विद्युत आयोग) सदस्य

2. अनुच्छेद 1 में वर्तमान (9) से (12) तक की क्रम संख्याओं को (10) से (13) तक की क्रम संख्याओं के रूप में पुनः संख्यांकित किया जाए ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि उपर्युक्त संकल्प राज्य सरकारों, भारत सरकार के मन्त्रालयों, भारत के नियन्त्रक तथा महालेखा परीक्षक, प्रधान मन्त्री सचिवालय, राष्ट्रपति के सचिव, तथा योजना आयोग के पास सूचनार्थ भेज दिया जाए ।

यह आदेश भी दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए और पश्चिम बंगाल सरकार से कहा जाए कि वह आम सूचना के लिए इसे राज्य के राजपत्र में प्रकाशित कर दे ।

एन० सी० सक्सेना, संयुक्त सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 18th November 1969

No. 63-Pres./69.—The President is pleased to approve the award of the ASHOKA CHAKRA for most conspicuous bravery to :—

Captain JAS RAM SINGH (EC-53763), Rajput.

(*Effective date of award—30th October*, 1968.)

On the night of the 30th October, 1968 on receiving information that about 50 hostiles armed with Light Machine Guns, Rifles and Sten Guns had moved towards a village in the Mizo Hills, Captain Jas Ram Singh, who was on patrol duty in that area, immediately marched towards that village with two platoons. At about 0430 hours, on approaching the village, his patrol came under heavy hostile fire from a dominating feature simultaneously from the right and left flanks. He made a quick assessment of the situation and personally led the assault and overran the hostile position. In this encounter, Captain Jas Ram Singh displayed most conspicuous gallantry and leadership as a result of which the hostiles, completely unnerved, abandoned their positions leaving behind two dead, six wounded and a large quantity of arms and ammunition. Another three hostiles also surrendered the same day.

No. 64-Pres./69.—The President is pleased to approve the armed gang of hostiles in a village in Mizo Hills, Captain gallantry to :—

1. Captain DINESH PRASAD MATHUR (EC-55123), Guards.

(*Effective date of award—11th July* 1968.)

On the 10th July, 1968 on receipt of information about an armed gang of hostiles in a village in Mizo Hills, Captain Dinesh Prasad Mathur was detailed to take out a column of two platoons to investigate the report. After marching the whole night in extremely inclement weather, they reached the village the next morning, and while making a search, the party was engaged by hostile fire. He immediately ordered one platoon to advance from the left, and himself led a party and put up a frontal attack and killed three hostiles. Despite repeated hostile fire, he rallied his men and charged the hostile position which unnerved the hostiles who fled leaving behind a large quantity of arms, ammunition and equipment.

In this action, Captain Dinesh Prasad Mathur displayed conspicuous gallantry and leadership.

2. JC-17046 Subedar DHIAN SINGH, Sikh Regiment.

(*Effective date of award—3rd September* 1968.)

On the 3rd September 1968, Subedar Dhian Singh was sent on a special mission in command of a paltoon to raid a suspected hostile hideout in Mizo Hills area. On receipt of information *en route* about the presence of hostiles in another area, he moved to that area by a difficult cross country route and after a thorough search, recovered some weapons on the 5th September 1968. He continued across country on the original task but found nothing at the objective. On the 11th September 1968, his patrol unexpectedly came across some hostiles. When his patrol chased the hostiles, they dropped five .303 rifles in order to make good their escape. Subsequently, Subedar Dhian Singh gathered information about another hostile party of 10 to 12 men in a village. Although his rations were exhausted, he did not wait for supplies but decided to take advantage of the situation. By following a cross counry route during the night of 13th/14th September 1968, he reached the hostile hideout and led a sudden assault, killing two hostiles. Unnerved by the swiftness of his action, the other hostiles ran away leaving behind their rifles. In this action, ten .303 rifles were recovered. Again on the 1st October, 1968, he led a column and succeeded in recovering one .303 rifle. Subsequently, he recovered a large quantity of arms and ammunition from a hidden dump.

Throughout, Subedar Dhian Singh displayed conspicuous gallantry and leadership.

3. 16525 Naik TEK BAHADUR CHHETRI, Assam Rifles. (*Posthumous*)

(*Effective date of award—29th September* 1968.)

On the 29th September 1968, Naik Tek Bahadur Chhetri was given the task of searching an area on the outskirts of a village in Mizo Hills. On approaching the village, he detected 5 armed hostiles at a distance of about 30 yards. Realising that an ydelay on his part till the arrival and deployment of his section would not only allow the hostiles to escape but also alert them, he charged the hostiles with his sten gun and wounded two of them. Unfortunately his sten gun stopped after firing a couple of bursts. As by this time, he had reached very near the hostiles, he pounced upon

one of them who was holding a rifle. In a hand-to-hand combat, Naik Chhetri snatched the rifle from the hostile, but before he could use it, he was hit in the chest by a burst of sten gun fire from one of the hostiles and died on the spot.

In this action, Naik Tek Bahadur Chhetri displayed conspicuous gallantry.

No. 65-Pres./69.—The President is pleased to approve the award of the SHAURYA CHAKRA for acts of gallantry to :—

1. Shri SHIVDAYAL CHOUBE,
Driver, Madhya Pradesh State Road Transport Corpoartion, Sagar.

(*Effective date of award—7th January* 1968.)

On the night of 7th January 1968, Shri Shivdayal Choube was driving a bus of Madhya Pradesh State Road Transport Corporation on the route Tikamgarh—Sagar. Among other passengers, the bus was carrying goldsmiths and business men who were returning to Sagar with gold and silver ornaments after attending a market day in a village. On the way, a group of six dacoits fired at the bus to immobilise it. Shri Shivdayal Choube received bullet injuries on the left side of his neck, chest and shoulder. Undeterred, he asked the passengers to lie flat on the floor of the vehicle, and while the dacoits were busy in re-loading their guns, he drove away the vehicle to Bandri Police Station at a distance of 7 miles and then collapsed. He was rushed to hospital where he recovered. As a result of his gallantry, the lives and property of 47 passengers were saved.

2. 6442364 Lance Naik (Driver) PREM RAM,
Army Medical Corps.

(*Effective date of award—5th August* 1968.)

On the 5th August 1968, Lance Naik Prem Ram, who was returning from his annual leave, was travelling by a UP Roadways bus. Due to some mechanical defect, the driver lost control and the vehicle with 20 passengers went down a khud 500 feet deep resulting in the death of 8 persons and injuries to all others including Lance Naik Prem Ram. Disregarding his own suffering, he recovered 12 injured persons from the khud, and rendered first aid with improvised bandages, till arrangements could be made to shift them to the nearest medical aid post.

In this action, Lance Naik Prem Ram displayed gallantry and initiative.

3. 64188 Rifleman JAGAT BAHADUR CHHETRI,
Assam Rifles.

(*Effective date of award—31st October* 1968.)

On the 31st October, 1968, Rifleman Jagat Bahadur Chhetri formed part of a patrol which was led by Captain Jas Ram Singh in Mizo Hills area. While the patrol was approaching a village, about 50 hostiles armed with Light Machine Guns and small arms, opened fire from a high feature on the patrol from right and left flanks. When the patrol commander ordered an assault on the hostile positions, Rifleman Jagat Bahadur Chhetri went ahead of the assault line towards a Light Machine Gun position which was firing from the left flank and killed the hostile manning the LMG, captured it and thus allowed his assault line to close in. In the encounter, he also captured two wounded hostile with rifles, besides a large quantity of arms and ammunition.

In this operation, Rifleman Jagat Bahadur Chhetri displayed gallantry and determination.

4. 64245 Rifleman BHIM PRASAD JAISHI,
Assam Rifles.

(*Effective date of award—31st October* 1968.)

On the 31st October, 1968, Rifleman Bhim Prasad Jaishi formed part of a patrol which was led by Captain Jas Ram Singh in Mizo Hills area. While the patrol was approaching a village, about 50 hostiles armed with Light Machine Guns and small arms opened fire on the patrol from a dominating position from right and left flanks. While ordering an assault, the patrol Commander asked Rifleman Bhim Prasad Jaishi to silence one of the Light Machine Guns of the hostiles on the right flank. Rifleman Jaishi moved towards the hostile position and killed the hostile manning the Light Machine Gun and captured the weapon. He also wounded two more hostiles. In this encounter, a large quantity of arms and ammunition was also captured.

In this action, Rifleman Bhim Prasad Jaishi displayed gallantry and determination.

No. 66-Pres./69.—The President is pleased to approve the award of the "SENA MEDAL"/"ARMY MEDAL" to the undermentioned personnel for acts of courage :—

1. Captain JOY GEORGE (IC-18822),
Gorkha Rifles.

Captain Joy George joined a battalion of Assam Rifles in the Mizo District in August 1966. Since then, he has led numerous missions against hostiles. On 12 occasions he captured large quantity of arms and ammunition besides documents giving vital information. The hostiles also suffered many casualties during these encounters.

Throughout, Captain Joy George displayed courage, leadership and devotion to duty of a high order.

2. Captain RAM SHIRSH UPADHYAY (EC-58390),
Artillery.

On the 21st October 1968, an explosion occurred in the vicinity of a gun position in an area in Sikkim. Captain Ram Shirsh Upadhyay, who went to the scene of occurrence to investigate the cause of the explosion, saw an Other Rank lying injured inside a mine field with his left foot blown off. Knowing fully well that the mines had drifted due to rain and snow, Captain Upadhyay ordered his men to follow him, and after covering a distance of about 20 yards through a mine field area, suucceeded in rescuing the injured Other Rank from the mine field.

In this action, Captain Ram Shirsh Upadhyay displayed courage and initiative.

3. Captain D. B. RAI,
Assam Rifles.

On the 28th February 1966, members of the Mizo National Front launched a sudden attack on several outposts of the Assam Rifles, B.S.F. and State Police Posts closing all roads leading to Aijal town. Notwithstanding all measures taken by the civil authorities, the situation became very tense from the afternoon of the 2nd March, 1966. Nearly 1,000 civilian officers, ex-servicemen, businessmen, and their families, took shelter in the Assam Rifles perimeter for a period of more than 6 days. The hostiles started firing from vantage points in an attempt to overpower the Assam Rifles in their own garrison and made it difficult for reinforcements to be brought in that area. Captain D. B. Rai, as Adjutant of a battalion of Assam Rifles, discharged his responsibilities with courage, determination and fortitude. Despite heavy hostile fire, he led his men to fetch water from sources outside the garrison for the large number of people living inside. On the 4th March, 1966, he boldly led an escort party to shift Police arms, ammunition stores, records and WT sets from the Police Station to the garrison area for safety at great risk to his life. On the 5th March, 1966, when the hostiles built up very high pressure by incessant firing, Captain Rai volunteered to lead a platoon which was to be deployed for safeguarding the Treasury and Deputy Commissioner's Office. Subsequently, Captain Rai was mainly responsible for conducting raids in and around Aijal town for rounding up important leaders and volunteers of Mizo National Front.

Throughout, Captain D. B. Rai displayed courage, leadership and devotion to duty of a high order.

4. 3950870 Lance Havildar BHOLA DATT RAJPUT,
Dogra.

On the 9th January 1969, Lance Havildar Bhola Datt Rajput, the leader of a standing patrol at a picquet in J&K area, was informed by his Company Commander that some suspicious movement had been observed at a distance of about 500 yards from his location. He deployed his patrol suitably and proceeded to search the area. When Lance Havildar Bhola Datt Rajput reached a broken house, he saw one Pakistani soldier getting up to shoot at him. He leaped at his adversary and a scuffle ensued during which he sustained a bullet wound on his right arm. Despite his injury, he overpowered the Pakistani soldier and snatched his rifle. Hearing shouts of the Pakistani soldier, the Pakistani Light Machine Gun opened fire, but undaunted Lance Havildar

Bhola Datt Rajput fired at the Pakistani soldier who was attempting to escape and shot him dead.

In this encounter, Lance Havildar Bhola Datt Rajput displayed courage and determination.

5. 3343448 Lance Havildar BUTA SINGH, Sikh.

On the 11th September 1968, Lance Havildar Buta Singh was a leading section Commander of a platoon operating against hostiles in the Mizo Hills area. The platoon, while moving through an area with poor visibility due to thick fog, suddenly came across a party of armed hostiles approaching towards them. Despite the difficult terrain and narrow track, he exercised full control on the section and inspired his men to chase the fleeing hostiles. Disregarding his personal safety, He hotly pursued the hostiles and captured 5 rifles from them.

In this action, Lance Havildar Buta Singh displayed courage and determination.

6. 9406846 Rifleman KABIRMAN RAI, Gorkha Rifles.

On the 12th October 1968, Rifleman Kabirman Rai was on patrol duty along the SHYOKHORIAMLA route in Jammu & Kashmir. At about 1230 hours when the patrol was crossing the river Shyok, a non-commissioned officer of the same party slipped into the river with his weapons and equipment and was washed away by the swift current. Rifleman Kabirman Rai, who was holding the line used for crossing the river, ran along the bank and jumped into the river and grabbed the NCO. He held him till such time help arrived and both were rescued.

In this action, Rifleman Kabirman Rai displayed exemplary courage and initiative.

NAGENDRA SINGH, Secy. to the President

PLANNING COMMISSION

STUDY TEAM ON TRIBAL RESEARCH INSTITUTES

New Delhi, the 11th November 1969

RESOLUTION

No. PC/SW/31(1)/69.—In continuation of Planning Commission Resolution of even No. dated the 18th October, 1969, Dr. S. C. Sinha, Deputy Director, Anthropological Survey of India is appointed as a member of the Study Team on Tribal Research Institutes.

ORDER

ORDERED that a copy of this Resolution be published in the Gazette of India and communicated to all concerned.

B. D. PANDE, Secy., Planning Commission

MINISTRY OF FINANCE

Department of Economic Affairs

New Delhi, the 13th November 1969

No. F. 3(33)-NS/69.—The President hereby makes the following rules further to amend the Post Office Savings Bank (Cumulative Time Deposits) Rules, 1959, published with the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. F. 3(40)NS/58, dated the 19th December, 1958, namely :—

(1) These rules may be called the Post Office Savings Bank (Cumulative Time Deposits) Second Amendment Rules, 1969.

(2) They shall be deemed to have come into force on 1st March, 1968.

2. In the Post Office Savings Bank (Cumulative Time Deposits) Rules, 1959, in sub-rule (4) of rule 8-A for the words "but maturing after the said date", the words, figures and letters, "but maturing after 28th February, 1969" shall be substituted.

V. S. RAJAGOPALAN, Under Secy.

MINISTRY OF FOREIGN TRADE AND SUPPLY

Department of Foreign Trade

New Delhi, the 3rd November 1969

TENDER NOTICE

No. 14(19)-Plant(A)/66.—The President of India hereinafter referred to as Government hereby invites sealed tenders from persons having experience in management of tea estates, in the prescribed form for grant of lease hold rights of Pathini Tea Estate running on C.T.C. system at Pather Kandi in the District of Cachar, Assam having an area of about 2400 hectares of which area under tea is about 750 hectares with buildings and machinery and plant therein as a running garden for a period of 20 years from 1st January, 1970. The intending lessee is to offer the annual rent he is agreeable to pay in respect of the tea estate. The tender should be sealed in the manner given below and should be submitted to the President of India, care Chairman, Tea Board, 14, Brabourne Road, Calcutta within the third day of December, 1969.

The party offering the highest annual rent shall be given preference provided other terms and conditions and the surety offered are acceptable and the Government considers that a sufficient amount has been offered as annual rent and the party offering has sufficient experience to manage the tea estate. The deed of lease to be made with the intending lessee will contain the terms and conditions as per draft lease a copy whereof can be obtained from the Chairman Tea Board, Calcutta on a payment of a charge of Rs. 5/- per copy.

DELIVERY OF TENDER : The original copy of the tender should be enclosed in a double cover. The inner and outer covers should be sealed and superscribed with the words "Tender for taking lease of Pathini Tea Estate due on 3-12-69". The name of tenderer should appear on the outer and inner covers.

THE RIGHT TO IGNORE ANY TENDER WHICH FAILS TO COMPLY WITH THE INSTRUCTIONS IS RESERVED. The tender should be delivered at the office of the Chairman, Tea Board, Calcutta upto 12 noon on the above date. No tender from local firms will be accepted after 12 noon. All outstation tenders should be sent by registered post so as to reach within the said date. The Government of India reserve the power of rejecting any tender without assigning any reason and do not bind themselves to accept the highest or any other tender.

The intending lessee will have to furnish earnest money for an amount of Rs. 5,000/- through a bank draft in favour of the Chairman, Tea Board, Calcutta along with the tender. This amount will be forefeited if in the event of acceptance of his tender, the lessee refuses to execute the deed of lease. The earnest money of all unsuccessful tenderers will be refundable. No interest shall be payable on the earnest money so deposited.

The intending lessee will also have to furnish an income tax clearance certificate from the Income Tax Officer of the concerned circle indicating *inter-alia* the names(s) of proprietor/partner/directors if it is a proprietory/partnership/public/private limited concern respectively.

The intending lessee shall not be able to raise any question with regard to the Government's title to the said Tea Estate.

The intending lessee will have to execute the lease in terms of the said draft lease within fifteen days of the acceptance of the tender and in any event before the lessee is given possession of the tea garden. Such lease is to be executed and registered at the expense of the lessee. The lessee shall at his own expense take such steps as may be necessary for the purpose of taking actual possession of the tea estate.

The successful lessee will have to execute a bank guarantee or provide surety in an approved manner for the satisfactory performance of the contract.

The sealed tenders received upto the date specified above, will be opened at 12.15 P.M. on 3rd December, 1969 in the office of the Chairman, Tea Board, 14, Brabourne Road, Calcutta-1 in the presence of a representative of the Ministry of Foreign Trade and Supply (Department of Foreign Trade) and the Chairman, Tea Board. The tenderers or their authorised representatives, if they so desire, may present themselves at the time of the opening of the tenders.

For detailed particulars, the intending lessees are requested to apply to the Chairman Tea Board, Calcutta within the 18th day of November, 1969.

The conditions of the tender and the prescribed form for submission of the tender are enclosed.

CONDITIONS OF TENDER

The President of India hereby invites sealed tenders in the prescribed form for grant of lease of the Pathini Tea Estate situated at Pather Kandi in the District of Cachar, Assam with buildings and machinery and the plant therein as a running tea garden for a period of 20 years from 1st January, 1970.

(1) The tenderer shall be a person having experience in management of tea estates.

(2) The tenderer shall state the amount of annual rent which the tenderer proposes to pay to the President of India for grant of lease hold rights of the said estate for a period of 20 years. The rent shall be paid half-yearly on or before the 1st January and 1st July every year. The rent shall be payable in advance.

(3) The tenderer shall have to furnish an earnest money for an amount of Rs. 5,000/- through a bank draft in favour of the Chairman, Tea Board, Calcutta along with the tender. This amount will be forefeited if in the event of the acceptance of the tender the lessee refuses to accept the lease terms. The earnest money of all unsuccessful tenderers will be refundable. No interest shall be payable on the earnest money so deposited.

(4) The tenderer shall have to furnish an income tax clearance certificate from the Income Tax Officer of the concerned circle indicating *inter-alia* the name(s) of proprietor/partners/directors if it is a proprietory/partnership/public/private limited concern respectively.

(5) The successful tenderer shall have to execute the lease in terms of the draft lease within 15 days of the acceptance of the tender and in any event before the lessee is given the possession of the tea garden. Such lease shall be executed and registered at the expense of the lessee. The lessee shall at his own expense take such steps as may be necessary for the purpose of taking actual possession of the tea estate.

(6) The successful tenderer shall have to execute a bank guarantee or provide surety in an approved manner for the satisfactory performance of the contract.

(7) The offer made by the tenderer shall be irrevocable. The Government of India, however, reserve the power of rejecting any tender without any reason and do not bind themselves to accept the highest or any other tender.

(8) The last date for receipt of tenders is 3rd day of December, 1969 upto 12 noon. The tenders will be opened at 12-15 P.M. on 3rd December, 1969 in the office of the Chairman, Tea Board, Calcutta when the tenderers or their duly authorised representatives may remain present.

(9) The tenders which are not received in time or those which are not accompanied by the requisite earnest money will not be considered.

S. N. DANDONA, Dy. Secy.
for and on behalf of the President of India

TENDER FOR THE LEASE OF PATHINI TEA ESTATE SITUATED AT PATHAR KANDI IN THE DISTRICT OF CACHAR, ASSAM HAVING AN AREA OF ABOUT 2400 HECTARES OF WHICH THE AREA UNDER TEA IS ABOUT 750 HECTARES WITH BUILDINGS AND MACHINERY AND PLANT THEREIN AS A RUNNING GARDEN FOR A PERIOD OF 20 YEARS FROM 1-1-1970.

To

The President of India

In response to the tender notice..... the undersigned.....son of..... resident of.....District.....hereby tender(s) for the grant by the President of India of lease hold rights of the Pathini Tea Estate situated at Pathar Kandi in the District of Cachar, Assam having an area of about 2400 hectares of which the area under tea is about 750 hectares with buildings and machinery and plant therein as a running garden for a period of 20 years from 1-1-1970 and offer(s) to pay to the President of India Rs..... (Rupees.....) as rent per annum for lease of the said tea estate.

The undersigned has/have read and understood the terms and conditions subject to which the President of India proposes to grant lease hold rights of the estate for a period of 20 years for which the undersigned is/are submitting this tender. The undersigned agree(s) with all the said terms contained in the conditions of tender attached to the tender notice.

The undersigned attaches herewith draft for an amount of Rs. 5000/- in favour of Chairman, Tea Board, Calcutta as earnest money in terms of the tender notice and the conditions attached thereto.
Dated.....

Signature of Tenderer.....
Proprietor/Partner/Duly authorised officer on behalf of

M/s _____
(Name of Firm/Company)

Full Address _____

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT INTERNAL TRADE & COMPANY AFFAIRS

Department of Industrial Development

New Delhi, the 20th November 1969

RESOLUTION

No. 47(2)/69-*LEI(B)*.—In partial modification of the Ministry of Industrial Development, Internal Trade and Company Affairs (Department of Industrial Development)'s Resolution No. 47(2)/69-LEI(B) dated the 17th April, 1969, regarding the re-constitution of the Panel for Air-Conditioning and Refrigeration Industry, as amended *vide* Resolutions No. 47(2)/69-LEI(B) dated the 23rd June, 1969 and No. 47(2)/69-LEI(B) dated the 20th September, 1969, the following further charges in the Panel are being made with immediate effect :—

(i) The entry at serial No. 17 of the Resolution is to be *read* as "The President, All India Air-Conditioning and Refrigeration Association (Shri Ram D. Malani C/o. M/s. Blue Star Ltd., Kasturi Building, Jamshedji Tata Road, Bombay-1, the present incumbent)" in place of Shri V. P. Punj, the then President of the Association.

(ii) The name at Serial No. 12 of the Resolution is to be *read* as ,'Shri V. P. Punj, House, M-13, Connaught Circus, New Delhi" in place of "Shri A. Huntingdon, Director M/s. York India Ltd., Mathura Road, Faridabad (Haryana)".

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all concerned and that it be published in the Gazette of India for general information.

D. R. SUNDARAM, Jt. Secy.

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 13th November 1969

RESOLUTION

No. 20-1/69-*L.D.III*.—Consequent on the dissolution of the Central Council of Gosamvardhana from the 1st December, 1969, the Government of India have decided to constitute in its place a Gosamvardhana Advisory Council with effect from the 1st December, 1969 with the Minister of Food, Agriculture, Community Development & Cooperation as its President.

2. The functions of the Gosamvardhana Advisory Council will be as follows :—

(1) to review from time to time the schemes relating to the preservation, development, breeding, feeding and marketing of cattle;

(2) to advise the Central and State Governments on any of the above matters referred by them;

(3) to review and coordinate the activities of the various official and non-official institutions concerned with the development of cattle wealth, such as States Council of Gosamvardhana, Federation of Gaushalas and Pinjrapoles, on matters relating to the development of cattle wealth, particularly, development of gaushalas on proper lines;

(4) to undertake promotional activities for the development of cattle especially where cooperation of non-official institutions is required; and

(5) to undertake any other functions as required by the Government of India for the development of cattle wealth in the country or in any area.

3. The composition of the Council will be as under :

President

1. Minister of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation.

Vice-President

2. Minister of State Incharge of Animal Husbandry.

Member

3. Secretary, Department of Agriculture, Ministry of Food, Agriculture, Community Development & Cooperation or his representative.

4-5. Two Members from Lok Sabha.

6. One Member from Rajya Sabha.

7—12. Six Heads of Department dealing with Animal Husbandry in the States and Union Territories.

13-14. Two Heads of Departments of Dairy Development in the States.

15—18. Four representatives of Federation of Gaushalas in the States.

19. Animal Husbandry Commissioner, Department of Agriculture.

20. Deputy Director-General (Animal Sciences), Indian Council of Agricultural Research.

21. One representative from Planning Commission.

22. Financial Adviser, Ministry of Food, Agriculture, Community Development & Cooperation.

23. Director, Indian Veterinary Research Institute, Izatnagar (U.P.).

24. Director, National Dairy Research Institute, Karnal (Haryana).

25. Chairman, National Dairy Development Board.

26-27. Two representatives from State Councils of Gosamvardhana.

28—31. Four prominent cattle breeders/dairy farmers.

32—35. Four non-officials, who have made substantial contribution towards welfare of cattle.

36-37. Two experts in the field of animal husbandry/dairying.

38. Joint Commissioner (Dairy Development), Ministry of Food, Agri. C.D. & Cooperation.

Member Secretary

39. Joint Commissioner (Livestock Production), Ministry of Food, Agriculture, Community Development and Cooperation.

4. The Members at serial Nos. 4 to 18 & 26 to 27 will be nominated by the Government of India for a term of 3 years. The members at serial Nos. 28 to 37 wil be nominated by the President of the Council for a term of three years.

5. The Headquarters of the Council will be at New Delhi. The Council will meet periodically at such time and place as may be decided by the President of the Council, but at least twice in a year.

6. The Government of India may, at their discretion, nominate from time to time additional members to represent interests not already represented on the Council.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments, Administration of Union Territories and the Departments of the Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Secretariat, Lok Sabha Secretariat and Rajya Sabha Secretariat.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

No. 20-20/69-*L.D.III.*—Consequent on the Central Council of Gosamvardhana having resolved in a Special Meeting of the General Body held on 23-8-1969 to dissolve the said Council from 1st December, 1969 and the Administration of the Union Territory of Delhi having consented to this dissolution, the Government of India in the Ministry of Food, Agriculture, C.D. & Coopn. have decided to dissolve the said Council as constituted in Resolution No. 9-40/51-L, dated the 30th January, 1952 w.e.f. 1st December, 1969.

2. The Government of India have also decided that consequent on the dissolution of the Council.

(a) the administration of the various schemes hitherto entrusted to the Council may, to the extent fessible, be transferred to the State and Central Government agencies for implementing these schemes;

(b) after the satisfaction of all debts and liabilities, any property left will be taken over by the Government for being dealt with as the Government may deem fit; and

(c) A Gosamvardhana Advisory Council shall be constituted from 1-12-1969 to review and advise the Government about the schemes relating to the preservation, development, breeding, feeding and marketing of cattle and to review and coordinate the activities of the various official and non-official institutions concerned with the development of cattle wealth and to undertake promotional activities for the development of cattle with the cooperation of the non-official institutions.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments, Administration of Union Territories and the Departments of the Ministries of the Government of India, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Prime Minister's Secretariat, Lok Sabha Secretariat and Rajya Sabha Secretariat.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

S. J. MAJUMDAR, Additional Secy. (P)

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

New Delhi, the 29th October 1969

No. 11/13/67-*B&B.*—In partial modification of this Ministry's notification of even number dated the 11th December, 1967, it has been decided to reconstitute, with immediate effect, the Board of Consultants, Beas Project, as follows :—

Chairman

1. Dr. A. N. Khosla.
2. Chairman, C.W. & P.C.

Members

3. Shri M. R. Chopra,
   Vice Chancellor,
   Roorkee University.
4. Shri N. G. K. Murti, Chairman,
   Bhakra Management Board.

5. Shri P. S. Bhatnagar.
6. Shri K. L. Vij.
7. Shri R. S. Gill, Chairman, Punjab State Electricity Board.
8. Shri Yadava Mohan, Administrator Rajasthan Canal Project.
9. Member (Hydro-Elec.), C.W. & P.C.
10. Dr. F. A. Nickell.
11. Mr. J. B . Cooke.
12. Commissioner for Indus Waters and *ex-officio* Joint Secretary to the Government of India.
13. Shri M. S. Balasundaram, Director-General of Geological, Survey of India.
14. Shri P. M. Mane, Ex-Member, C.W. & P.C.

O. P. CHADHA, Dy. Secy.

RESOLUTION

New Delhi, the 5th November 1969

*No. EL.I.*32(84)/68.—It has been decided that the Power Economy Committee set up in this Ministry's Resolution No. EL.I.32(84)/68, dated the 27th May, 1969 should go into all aspects of rural electrification in the country. The following may, therefore, be inserted as item (v) under para. 4 of this Ministry's Resolution dated 27th May, 1969 :—

(v) To review and examine the technical and economical aspects of rural electrification, particularly with a view to enabling the State Electricity Boards and Electricity Authorities to undertake a massive programme of rural electrification and making electricity available at an economical rate.

ORDER

ORDERED that the above Resolution may be communicated to the Chairman and Members of the Power Economy Committee, all State Governments and State Electricity Boards for giving wide publicity.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India.

K. P. MATHRANI, Secy.

---

*New Delhi-*1, *the 6th November* 1969

No. 7/7/61-GB/FBP.—In the Ministry of Irrigation and Power Resolution No. F. 7/7/61-GB, dated the 25th October, 1967 regarding the constitution of the Technical Advisory Committee of the Farakka Barrage Control Board, the following may be inserted after Serial No. (8) in paragraph 1 :

"(9) Shri P. M. Mane, (retired Member, Central Water & Power Commision)—Member.

2. In paragraph 1 the existing serial numbers (9) to (12) may be renumbered as 10 to 13.

ORDER

ORDERED that the above Resolution be communicated to the State Governments, the Ministries of the Government of India, the Comptroller and Auditor General of India, the Prime Minister's Secretariat, the Secretary to the President and the Planning Commission for information.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India and the Government of West Bengal be requested to publish the same in the State Gazette for general information.

N. C. SAKSENA, Jt. Secy.

CORRIGENDUM

New Delhi, the 15th November 1969

*No. EL.II.*35(10)/63.—In this Ministry's Resolution No. EL.II.35(10)/63, dated the 12th March, 1964 as modified in Resolution of even number dated the 5th September, 1964, in entry number (v) the word "Deputy" shall be *deleted.*

M. RAMANATHAN, Dy. Director (Power).

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 17th November 1969

RESOLUTION

No. 10/13/69-*B(P).*—In continuation of this Ministry's Resolution No. 18/15/67-B(B), dated the 19th December 1968, the following changes are hereby ordered in the membership of the Advisory Board on Commercial Broadcasting constituted in this Ministry's Resolution No. 18/15/67-B(B). dated the 28th October 1967 as modified in the Resolution of even number dated the 7th December 1968 :

1. Shri S. N. Murti, Deputy Director General (Commercial) will be the Chairman in place of Miss M. Masani.
2. Shri M. Yunus Dehlvi will be the representative of the Indian & Eastern Newspaper Society in place of Shri P. K. Roy.

2. These changes are effective with effect from the dates from which these Members commenced serving on the Board.

ORDER

(i) ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to the Director General, All India Radio, New Delhi.

(ii) ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

A. S. GILL, Jt. Secy.

PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD
AND PRINTED BY THE MANAGER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1969